राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–14, अंक–04, जुलाई–अगस्त 2013

आदिवासी युवाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को सुधारना हमारी प्राथमिकता

– श्री शेखर दत्त, राज्यपाल छत्तीसगढ़

श्री शेखर दत्त का स्वागत करते प्रो. अमिताभ घोष

छत्तीसगढ़ राज्य में स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में पैरामेडिकल एवं स्वास्थ्य सहायक के निरंतर प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के लिए संस्थान की कौशल विकास योजना की सलाहकार समिति की बैठक 23 एवं 24 अगस्त 2013 को रायपुर में आयोजित की गयी। इस बैठक में संस्थान की ओर से जेएसवी इनोवेशन्स कोलकाता के सहयोग से रायपुर में स्कूल फॉर स्किल्स इन हेल्थ साइंस खोले जाने के विषय पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। 23 अगस्त 2013 को छत्तीसगढ़ के राजभवन में राज्यपाल महोदय श्री शेखर दत्त की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित बैठक में सलाहकार समिति की ओर से संस्थान के अध्यक्ष, संचालक मण्डल प्रो. अमिताभ घोष, निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल, श्री ललित सुरजन आमंत्रित अतिथि, डॉ. सतदल साहा, आमंत्रित विषय विशेषज्ञ और संस्थान के वरिष्ठ आचार्यगणों ने हिस्सा लिया।

इस बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य शासन की ओर से श्री संतोष मिश्रा, प्रमुख सचिव, कौशल विकास आयोग, श्री डी.डी. कुंजाम, अतिरिक्त सचिव, श्रीमती शारदा वर्मा, आदिवासी एवं कौशल विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ राज्य के आदिवासी युवाओं तथा ग्रामीण समाज के लिए बहुउपयोगी योजना है, जिसके क्रियान्वयन से न केवल स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में उपयुक्त प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होगा, वरन स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधा का विस्तार ज़मीनी स्तर पर भी संभव हो सकेगा। उन्होंने इस योजना के सकारात्मक पहलुओं पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी, जिसमें कौशल विकास के बहुआयामी और दूरगामी परिणाम उन्नत स्वास्थ्य के रूप में दिखाई पड़ेगें। उन्होंने कहा कि अस्पतालों को भी इस दिशा में आगे आकर सहयोग करना चाहिए। योजना पर जानकारी देते हुए प्रो. अमिताभ घोष ने बताया कि इसी तरह का एक स्कूल बी.आई.टी. बीरभूम, कोलकाता में विगत एक वर्ष से सफलता पूर्वक संचालित किया जा रहा है और इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। श्री संतोष मिश्रा ने कहा कि यह योजना निश्चित रूप से स्वास्थ्य प्रबंधन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य शासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए 24 अगस्त 2013 को सलाहकार समिति की बैठक छत्तीगढ़ राज्य शासन के प्रमुख सचिवों, स्वास्थ्य, आदिवासी विकास विभाग तथा कौशल विकास आयोग के साथ संबंधित विभागों की बैठक मंत्रालय में आयोजित करने की औपचारिक घोषणा की। बैठक में संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने बताया कि इस योजना में एक पूर्ण रूपेण प्रशिक्षण केन्द्र, जिसमें जरूरी प्रयोगशालाएं भी शामिल होंगी, की स्थापना जल्द से जल्द की जाएगी। प्रशिक्षण का कार्य अनुभवी पेशेवर प्रशिक्षकों के माध्यम से संचालित किया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जायेगा।

बैठक को सम्बोधित करते श्री शेखर दत्त

राज्यपाल महोदय ने यह प्रस्ताव राज्य शासन के सचिव स्तरीय बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जिस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव की उपस्थिति में मंत्रालय में आयोजित बैठक में चर्चा की गई। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए श्री संतोष मिश्रा को राज्य शासन की ओर से नांमाकित किया जिससे उनके कुशल निर्देशन में सारे विभागों का समन्वित सहयोग प्राप्त किया जा सके। 24 अगस्त 2013 को इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सलाहकार समिति की बैठक श्री संतोष मिश्रा जी के समन्वयन में छत्तीसगढ़ शासन के सभी संबंधित विभागों के साथ आयोजित की गयी। इस बैठक में श्री एन. दास, उप सचिव राजभवन, कुलपति, मेडिकल विश्वविद्यालय के प्रो. दामने, प्रो. गुप्त, नव नियुक्त कुलपति, एनआरडीए के श्री बजाज, श्री एस.के. त्रिपाठी, श्री जवाहर श्रीवास्तव, प्रो. आर.जी. चौकसे, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. पीयूष वर्मा एवं प्रो. यू.के. जैन उपस्थित थे।

स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में कौशल विकास पर विशेष कार्यशाला

संस्थान की ओर से जेएसवी इनोवेशन्स, कोलकाता के साथ संयुक्त रूप से रायपुर में स्कूल फॉर स्किल्स इन हेल्थ साइंस खोले जाने पर विस्तृत विचार विमर्श के लिए आरंभिक बैठक कार्यशाला के रूप में विस्तार केन्द्र, रायपुर में 23 अगस्त 2013 को आयोजित की गयी। संस्थान के अध्यक्ष संचालक मंडल,

प्रो. अमिताभ घोष एवं संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में सलाहकार समिति के सदस्यों प्रो. संजय अग्रवाल, समन्वयक स्किल्स डेव्लपमेंट मिशन, डॉ. सतदल साहा, निदेशक, जेएसवी इनोवेशन्स, कोलकाता, प्रो. आर.जी. चौकसे, अधिष्ठाता, अकादमिक, प्रो. यू.के. जैन एवं प्रो. पीयूष वर्मा, विस्तार केंद्र, रायपुर, शासकीय पॉलिटेक्निक के प्राचार्य व प्रो. एस.डी बर्मन ने विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। बैठक में स्कूल खोले जाने के विभिन्न स्तरों पर की जाने वाली कार्यवाही और निर्वहन संबंधी विषयों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में लिए गए निर्णयों को संकलित कर अपरान्ह में राजभवन में राज्यपाल महोदय श्री शेखर दत्त व अन्य अधिकारियों के साथ आयोजित सलाहकार समिति की बैठक में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। बैठक के समापन के उपरांत प्रो. अमिताभ घोष, प्रो. विजय अग्रवाल एवं डॉ. सतदल साहा द्वारा विस्तार केंद्र परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

उत्तराखंड के लिये प्रधानमंत्री राहत कोष में एनआईटीटीटीआर ने दिया सहयोग

एनआईटीटीटीआर के संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्तराखंड के लोगों की सहायतार्थ अपना एक दिन का वेतन दिया है। 24 जुलाई 2013 को एनआईटीटीटीआर, भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने म.प्र. के राज्यपाल श्री रामनरेश यादव से भेंट कर उत्तराखंड में आई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की सहायता हेतु रूपये 2 लाख का चैक प्रदान किया। यह राशि राज्यपाल श्री रामनरेश यादव के माध्यम से प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा की जायेगी।

म.प्र. के राज्यपाल श्री रामनरेश यादव को चैक भेंट करते प्रो. विजय अग्रवाल

तकनीकी शिक्षकों को एनबीए एक्रीडिटेशन का ज्ञान आवश्यक – डॉ. जयंती एस. रवि

सम्बोधित करतीं डॉ. जयन्ती रवि

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 01 से 05 जुलाई 2013 तक "एनबीए, सीबीसीएस एण्ड एपीआई" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुजरात राज्य की तकनीकी शिक्षा आयुक्त डॉ. जयंती एस. रवि ने कहा कि गुजरात सरकार चाहती है कि सभी संस्थान एनबीए से एक्रीडिटेशन लें। इस हेतु सभी शिक्षकों का प्रशिक्षण आवश्यक है। विस्तार केन्द्र द्वारा इस कार्यक्रम के माध्यम से मास्टर ट्रेनर्स तैयार किये गए हैं जो गुजरात राज्य के 14,000 तकनीकी शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगें। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रमों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना आवश्यक है। विद्यार्थियों को समाज से जोड़ने हेतु अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, संगीत, कला एवं विदेशी भाषा आदि को सीखने का विकल्प देना चाहिए। पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों का कार्य निष्पादन उच्चकोटि का होना चाहिए। अतः इस अकादमिक वर्ष से गुजरात राज्य में एपीआई आधारित वार्षिक चरित्रावली निर्मित की जायेगी। गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एम.एन. पटेल ने कहा कि एनआईटीटीटीआर के कार्यक्रमों की गुणवत्ता सदा से सराहनीय रही है। शिक्षकों को इसका लाभ लेना चाहिए। इस प्रशिक्षण

कार्यक्रम में 47 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. डी.एस. करौलिया थे। इस अवसर पर डॉ. शशिकांत गुप्ता, डॉ. आर.के. दीक्षित, प्रो. के.जेम्स मथाई, प्रो. निशिथ दुबे, प्रो. एस.आर. गनोरकर, प्रो. आर.जे. जोशी उपस्थित थे।

एनआईटीटीटीआर द्वारा तैयार किया गया पाठ्यक्रम एनबीए के प्रावधानों के अनुरूप – प्रो. ए.के. अग्रवाल

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित हो रहे 25 डिप्लोमा कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों का निर्माण किया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों को एनबीए के प्रावधानों के अनुरूप बनाया जा रहा है जिनमें उद्देश्य, कौशल, लर्निंग आउटकम आदि को समाहित किया गया है। ये सभी पाठ्यक्रम उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप बने हैं। उक्त विचार 19 जुलाई 2013 को गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. अग्रवाल ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहे। एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने डिप्लोमा कार्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में 45, द्वितीय सेमेस्टर में 55 एवं तृतीय सेमेस्टर में 109 विषयों के पाठ्यक्रम निर्मित किये हैं। इन पाठ्यक्रमों के निर्माण में एनआईटीटीटीआर, भोपाल के सभी संकाय सदस्यों ने योगदान दिया है।

ब्रिटिश कॉलेज एसोसिएशन के सलाहकार द्वारा विस्तार केन्द्र का भ्रमण

निटर संकाय सदस्यों से चर्चा करते श्री जान.के. फिलिप

एनआईटीटीटीआर विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 23 अगस्त 2013 को "एसोसिएशन ऑफ कॉलेजेज इन यूके" के भारत के सलाहकार श्री जॉन के. फिलिप ने भ्रमण किया। उन्होंने ब्रिटेन में चल रहे कम्यूनिटी कॉलेज एवं स्किल डेव्लेपमेंट के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भविष्य में निटर, भोपाल के सहयोग से इस दिशा में कार्य करने की इच्छा व्यक्त की जिसमें कम्प्यूटर, आईटी, कन्सट्रक्सन इंजीनियरिंग, एनर्जी, टीचिंग ट्रेनिंग, क्वालिटी, एन्वायरमेंटल टेक्निक आदि क्षेत्र शामिल हैं। इस अवसर पर प्रो. शशिकांत गुप्ता, प्रो. पी.के. पुरोहित, प्रो. दीपक सिंह, प्रो. के जेम्स मथाई उपस्थित थे।

इन्टैक की सदस्यता के साथ पहला व्याख्यान

विरासत अध्ययन का बड़ा माध्यम है : श्री ललित सुरजन

श्री ललित सुरजन का स्वागत करते प्रो. विजय अग्रवाल

एनआईटीटीटीआर भोपाल में 05 अगस्त 2013 को "हेरीटेज कन्ज़रवेशनः रोल ऑफ टेक्नालॉजी" विषय पर इंटैक के कार्यकारी समूह के वरिष्ठ सदस्य एवं एनआईटी रायपुर के पूर्व अध्यक्ष, संचालक मंडल श्री ललित सुरजन का व्याख्यान आयोजित किया गया। श्री सुरजन ने इस अवसर पर इन्टेक (Indian National Trust for Art and Cultural Heritage) की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश में चार संस्थानों को उत्कृष्ट संस्थान मानते हुए भारत सरकार ने 100 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता दी है जिसमें इन्टैक एक महत्वपूर्ण संस्थान है। श्री सुरजन ने विरासत संरक्षण की आवश्यकता जैसे विषय को बहुत ही रोचक तरीके से समझाते हुये कहा कि विरासत को देखने से इतिहास का बोध होता है। विरासत में समाज के हर व्यक्ति का हिस्सा होता है। जब हम पर्यटन पर जायें तो विद्यार्थी बनकर जायें तभी कुछ सीख सकते हैं। उन्होंने विरासत के संरक्षण में तकनीक के उपयोग को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन विरासत से हमें इतिहास को समझने में मदद मिलती है। विरासत अध्ययन का बड़ा माध्यम है। इससे वैश्विक सामाजिक परिवेश के प्रति लगाव पैदा होता है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम प्राकृतिक एवं मनुष्य निर्मित विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी को सौंपे। विरासत से और बेहतर बनने, अन्वेषण करने एवं नवाचार की प्रेरणा मिलती है। कला एवं संस्कृति के विभिन्न आयाम के साथ विज्ञान एवं तकनीक जुड़ी है। आज गंगा एवं यमुना की दुर्दशा को देखकर हम द्रवित हो जाते हैं। आपने जर्मनी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां पर तकनीक के माध्यम से नदियों को किस तरह प्रदूषण मुक्त किया गया है वह एक अनुकरणीय उदाहरण है। लगाव से काम के प्रति भाव बदल जाता है। विरासत का संरक्षण निजी स्वार्थो से ऊपर उठकर किया जाना चाहिये। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने श्री ललित सुरजन का स्वागत करते हुए कहा कि देश की धरोहर के संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान में योगदान के लिये श्री सुरजन जी को जाना जाता है। उन्होंने कहा कि विगत 40 वर्षो में विकास के नाम पर धरोहर का क्षरण हुआ है। विरासत को सहेजने का कार्य सिर्फ सरकार का नहीं है, निजी संगठन एवं समाज के विभिन्न वर्ग भी इस कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा विरासत संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यो पर प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि एनआईटीटीटीआर, भोपाल को हाल ही में इन्टेक की सदस्यता प्रदत्त की गई है। भारत की तीनों सेनाएं भी इन्टेक की सदस्य हैं। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पी.के. पुरोहित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. शरद प्रधान व आभार प्रदर्शन डॉ. दीपक सिंह ने किया। इस अवसर पर संस्थान के सदस्यों के साथ–साथ नगर के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री ललित सुरजन

टाटा मोटर्स वर्क्स मैनेजर का प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते टाटा मोटर्स के श्री राजगोपालन

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा टाटा मोटर्स के वर्क्स मैनेजर का तीन माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 अगस्त 2013 को प्रारंभ हुआ। एन.आई.टी.टी.टी.आर. भोपाल व एन.एस.डी.सी. (भारत सरकार) के अन्तर्गत टाटा मोटर्स के वर्क्स मैनेजर्स का प्रोजेक्ट उड़ान के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन टाटा मोटर्स के हैड कस्टमर केयर श्री वी.एन. राजगोपालन, टाटा मोटर्स के चैनल पार्टनर श्री आलोक बिल्लौरे द्वारा किया गया। 23 अगस्त से 23 नवम्बर 2013तक चलने वाले तीन माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए श्री राजगोपालन ने कहा कि भारत सरकार जम्मू एवं कश्मीर राज्य के युवाओं की तकनीकी एवं प्रबंधकीय क्षमताओं के विकास हेतु प्रतिबद्ध है। टाटा मोटर्स आगामी समय में डीलर संस्थानों के माध्यम से उचित दरों पर ग्राहकों को गुणवत्ता युक्त सुविधायें एवं सेवायें प्रदान करने हेतु वचनबद्ध है। इस दिशा में टाटा मोटर्स शीघ्र ही डीलर संगठनों की मूलभूत तकनीकी सुविधाओं को विस्तारित करने जा रहा है इस हेतु दक्ष वर्क्स मैनेजर्स की आवश्यकता होगी। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल में दक्षता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने 26 अगस्त 2013 को टाटा मोटर्स के प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप यहां से जो भी तकनीकी ज्ञान लेंगे उसमें इन्टर पर्सनल स्किल्स सबसे महत्वपूर्ण है। यदि आप किसी से प्यार से बात करते हैं, उन्हें ध्यान से सुनते हैं तो ग्राहक की आधी समस्या स्वतः ही समाप्त हो जाती है।

इस अवसर पर प्रभारी निदेशक डॉ. आर.के. दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम टाटा मोटर्स के डीलर्स द्वारा ग्राहकों को उत्तम गुणवत्ता सेवायें प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगा। टाटा मोटर्स परियोजना के समन्वयक डॉ.के.के. जैन ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के

निटर संकाय सदस्यों के साथ टाटा मोटर्स के प्रशिक्षणार्थी

दौरान प्रशिक्षणार्थियों को ऑटोमोबाईल तकनीक के साथ–साथ प्रबंधकीय और सॉफ्ट स्किल्स का प्रशिक्षण दिया जायेगा। तीन माह के सक्षमता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में टाटा डीलर्स की वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुये 25 तकनीकी, प्रबंधकीय एवं व्यवहारिक क्षमताओं को विकसित किया जायेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जम्मू एवं कश्मीर राज्य के 30 वर्क्स मैनेजर्स प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रो. शरद प्रधान, विभागाध्यक्ष, मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर टाटा मोटर्स के श्री मुकेश काला, सौरभ पांडे एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

टाटा मोटर्स, आटो सेक्टर में ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवाओं के साथ ही देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। आज जहाँ टाटा मोटर्स आटोमोबाईल उद्योग में गुणवत्ता का सूचक है वहीं हमारा संस्थान प्रशिक्षण के क्षेत्र में गुणवत्ता का सूचक है। हमारा संस्थान सक्षमता आधारित प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

प्रो. विजय अग्रवाल

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

उपकरणों का संचालन एवं अनुरक्षण पर कार्यक्रम

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 22 से 27 जुलाई 2013 तक "उपकरणों का संचालन एवं अनुरक्षण" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को उपकरणों के प्रभावी संचालन, उनका अनुरक्षण, प्रयोगशाला कार्यो का उद्देश्य एवं उसकी प्रभावी योजना बनाना, प्रयोगशाला प्रबंधन एवं सुरक्षा, प्रयोगशाला तकनीशियनों के उत्तरदायित्व आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को आंचलिक विज्ञान केन्द्र एवं क्रिस्प की प्रयोगशाला में भी भ्रमण कराया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग संस्थानों के 24 प्रयोगशाला तकनीशियनों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पी.के.पुरोहित थे व डॉ. इज़हार अहमद एवं श्री रिजवान कुरैशी ने सहयोग प्रदान किया।

निटर संकाय सदस्यों के साथ प्रशिक्षणार्थी

क्वालिटी मैनेजमेंट एवं टूल्स विषय पर तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान में दिनांक 15 से 19 जुलाई 2013, 29 जुलाई से 02 अगस्त 2013 एवं 26 से 30 अगस्त 2013 तक क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ संयुक्त रूप से "क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम एवं क्वालिटी टेक्नोलॉजी टूल्स" विषय पर तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। उक्त कार्यक्रमों में प्रशिक्षुओं को विभिन्न क्वालिटी टूल्स एवं क्वालिटी पेरामीटर्स की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न उद्योगों एवं उत्पादन संस्थानों द्वारा विकसित किये गये क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम एवं विभिन्न पर्यावरण तंत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और उद्योगों द्वारा दुर्घटनाओं के रोकथाम एवं उपचार हेतु विकसित किये गये तंत्र से अवगत करवाया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रथम कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अभिलाष ठाकुर थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. शैलेन्द्र सिंह ने सहयोग प्रदान किया। प्रो. एस. एन. नन्दी, पूर्व निदेशक भारतीय उत्पादकता परिषद ने विशेषज्ञ के रूप में सहयोग दिया। द्वितीय कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजली पोटनीस थीं। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. दीपक सिंह ने सहयोग प्रदान किया एवं तृतीय कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बशीर उल्लाह शेख थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. अंजू रौले ने सहयोग प्रदान किया।

न्यूमेरीकल मैथड्स एण्ड एप्लीकेशन्स इन इंजीनियरिंग एण्ड साईंस

विस्तार केन्द्र पुणे में दिनांक 08 से 12 जुलाई 2013 तक "न्यूमेरिकल मैथड्स एण्ड एप्लीकेशन्स इन इंजीनियरिंग एण्ड साईंस" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को इन्टरपोलेशन, अलज़ेबरिक एवं ट्रांसिडेन्टल समीकरणों का हल, न्यूमेरिकल डिफ्रेंसिएशन एवं इन्टीग्रेशन के इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों एवं मेटलेब द्वारा उनके हल आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग संस्थानों के 24 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. व्ही.डी. पाटिल एवं डॉ. डी.एम. मालखेड़े ने सहयोग प्रदान किया।

ड्रग डिलीवरी सिस्टम एवं नैनो टेक्नॉलॉजी विषय पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 05 जुलाई 2013 तक विस्तार केन्द्र पुणे में "ड्रग डिलीवरी सिस्टम एवं नेनो टेक्नोलॉजी" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स एवं शारीरिक कायकीय तंत्र की मूलभूत जानकारी के साथ आधुनिक समय में प्रयुक्त किये जा रहे विभिन्न उपकरणों एवं उनके ड्रग डिलीवरी सिस्टम पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षुओं को नेनो टेक्नोलॉजी के ड्रग डिलीवरी में होने वाले उपयोग एवं संबद्ध लाभों से अवगत करवाया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षाणार्थियों को विभिन्न सॉफ्टवेयर के उपयोग से नेनो मॉलीक्यूल के गुणों की गणना एवं विश्लेषण करने का अभ्यास करवाया गया। उक्त कार्यक्रम में महाराष्ट्र के विभिन्न पॉलिटेक्निक एवं फॉर्मेसी कॉलेज के 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अभिलाष ठाकुर थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीरउल्ला शेख ने योगदान दिया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्धवार्षिक बैठक

31 जुलाई 2012 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्धवार्षिक बैठक एन.आई.टी.टी.टी.आर. भोपाल में आयोजित की गई। इस बैठक में केन्द्र सरकार के 112 कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस बैठक में राजभाषा के संवर्धन हेतु विभिन्न कार्यालयों के आपसी सामंजस्य एवं सहयोग से कार्य करने हेतु महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष व एन.आई.टी.टी.टी. आर. भोपाल के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने राजभाषा कार्यान्वयन में आने वाली कठिनाईयों एवं वार्षिक कार्यक्रम 2013–14 पर चर्चा के साथ हिन्दी से संबंधित तिमाही रिपोर्ट ऑन लाईन भेजने, अर्धवार्षिक रिपोर्ट की समीक्षा, बैठक में कार्यालय प्रमुखों की अनिवार्य उपस्थिति, अगली अर्धवार्षिक बैठक आयोजन हेतु स्थल का निर्धारण, आदि विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सुश्री एच.के. सनोत्रा, उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, श्री एस. एस. केम्वाल, आयकर आयुक्त, श्री आर.एस.

चौहान, डी.आई.जी. सी.आर.पी.एफ., श्री हरीश सिंह चौहान, अनुसंधान अधिकारी, डॉ. डी.पी. दुबे, निदेशक, डॉ. मेहकार सिंह, निदेशक, निक्सी, श्री महेश शुक्ला, महाप्रबंधक, बी.एस.एन.एल. आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन राजभाषा समिति के सचिव श्री एस.एस. अस्थाना ने किया।

राज्य शिक्षा केन्द्र के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण

संबोधित करते प्रो. विजय अग्रवाल

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा "ट्रेनिंग ऑफ टीचर्स ऑन डिजीटल लिटरेसी" विषय पर राज्य शिक्षा केन्द्र के शिक्षकों के लिए विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कम्प्यूटर वेब सिद्धान्त, मूल ज्ञान, विन्डोज आपरेटिंग सिस्टम, रिकार्ड संधारण, डाटा विश्लेषण, सूचना प्रौद्योगिकी, इंटरनेट का उपयोग, प्रजेंटेशन तैयार करना आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। इन कार्यक्रमों के समन्वयक प्रो. संजय अग्रवाल थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. डी.एस. करौलिया, प्रो. शैलेन्द्र सिंह, प्रो. एम.ए. रिज़वी, प्रो. आर.के. कपूर, प्रो. के.जे. मथाई एवं प्रो. प्रियंका त्रिपाठी ने सहयोग प्रदान किया।

सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

फाइनाईट ऐलीमेंट मैथड पर कार्यक्रम

सिविल एवं पर्यावरण विभाग द्वारा 07 से 19 जुलाई 2013 तक "फाइनाईट ऐलीमेंट मैथड्स" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को फाइनाईट एलीमेंट के बुनियादी सिद्धांतों, अनुप्रयोगों एवं सॉफ्टवेयर विकास आदि विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा संस्थान में उपलब्ध फाइनाईट ऐलीमेंट सॉफ्टवेयर पर अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम में 09 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के.के.पाठक थे। प्रो. जे.पी.टेगर, प्रो. आर.के.दीक्षित एवं प्रो. सुब्रत रॉय ने संकाय सदस्य के रूप में सहयोग प्रदान किया।

टीम निर्माण, प्रभावी संप्रेषण एवं प्रभावी प्रस्तुतिकरण पर कार्यक्रम

सिविल एवं पर्यावरण विभाग द्वारा 22 से 24 जुलाई 2013 तक "टीम निर्माण, प्रभावी संप्रेषण एवं प्रभावी प्रस्तुतिकरण" विषय पर म.प्र. नगर निगम के शहरी स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग स्टॉफ हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगरीय निकायों के सदस्यों को विभिन्न स्तरों पर अपने विभाग के अंतर्गत एवं बाह्य भागीदारों से संपर्क कर उनसे संवाद करने की आवश्यकता होती है, ताकि वे उन भागीदारों की जरूरतों को समझ सकें, साथ ही इस ओर किये जा रहे कार्यों से उनको अवगत करा सकें। कार्यक्रम में 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. तनुज नंदन थे।

सिविल इंजीनियर्स हेतु ऑटो केड पर प्रशिक्षण

सिविल एवं पर्यावरण विभाग द्वारा 22 जुलाई से 02 अगस्त 2013 तक "ऑटो केड बेसिक एंड एडवांस" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को ऑटोकेड इंस्टालेशन एंड यूजिंग ऑफ सॉफ्टवेयर, वर्सेटेलिटी टू ऑटोकेड एवं लेब प्रेक्टिस फॉर स्किल्स डेवलपमेंट जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कुल 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय सेना के प्रशिक्षणार्थियों ने भी भाग लिया। प्रथम सप्ताह के समन्वयक डॉ. जे.पी. टेगर एवं द्वितीय सप्ताह के समन्वयक डॉ. ए.के. जैन, थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन ने सहयोग प्रदान किया।

ए.आई.सी.टी.ई. की कार्यशाला में निटर ने लिया भाग

संस्थान के प्राध्यापक डॉ. संजय अग्रवाल, प्रो. किरण सक्सेना एवं प्रो. अस्मिता खजांची ने एआईसीटीई द्वारा ग्वालियर में आयोजित कार्यशाला में 19 जुलाई 2013 को विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। इस कार्यशाला में क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा निरीक्षण दल की जिम्मेदारी एवं भूमिका पर चर्चा की गई।

जन–निजी भागीदारी एंड ईपीसी कांट्रेक्ट पर कार्यक्रम

सिविल एवं पर्यावरण विभाग द्वारा 29 से 31 जुलाई 2013 तक म.प्र. नगर निगम के शहरी स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग स्टॉफ एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेतु "जन निजी भागीदारी एंड ईपीसी कांट्रेक्ट" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को जन–निजी भागीदारी के बारे में विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम में 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को श्री चंद्रमोहन शुक्ला, सीईओ–बीआरटीएस, श्री अमित भट्ट, चीफ स्ट्रेटेजिक–एंबार्क इंडिया, श्री अरूण पालीवाल, डीजीएम– म.प्र.सड़क विकास निगम, श्री विपिन माथुर एवं श्री संजीव शर्मा, परामर्शक–एशियन डेवलेपमेंट बैंक एवं श्री एच.एम. मिश्रा, ओएसडी–यूएडीडी ने संबोधित किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल एवं श्री अमित भट्ट द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किये गये। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.के.दीक्षित थे।

शहरी सड़क एवं भवनों का निर्माण, प्रबंधन तथा सुरक्षा पर कार्यक्रम

सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 26 एवं 27 अगस्त 2013 तक "शहरी सड़क एवं भवनों का निर्माण, प्रबंधन तथा सुरक्षा" विषय पर एक कार्यक्रम म.प्र. नगर निगम के शहरी स्थानीय निकाय के अभियंताओं हेतु आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को सड़क एवं भवन निर्माण, प्रबंधन एवं गुणवत्ता के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षणार्थियों को विभाग की सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के.के. पाठक थे तथा डॉ. ए. के. जैन एवं डॉ. सुब्रत रॉय ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

सिविल इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग

सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 19 से 30 अगस्त 2013 तक संस्थान में एक "सिविल इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विभाग में उपलब्ध सॉफ्टवेयर जैसे स्टैड–प्रो, ऑटोकेड, प्राइमावेरा, जी.आई.एस. आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह के समन्वयक डॉ. के. के. पाठक तथा द्वितीय सप्ताह के समन्वयक डॉ. सुब्रत रॉय थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. जे.पी. टेगर ने योगदान दिया।

ग्रीन कैंपस इनिशिऐटिव एंड डेव्लपमेंट विषय पर कार्यक्रम

विशेषज्ञों से चर्चा करते निटर के संकायगण

अमृता यूनिवर्सिटी के द्वारा ग्रीन केंपस इनिशिऐटिव एंड डेव्लपमेंट विषय पर ए–व्यू के द्वारा 23 अगस्त 2013 को एक वार्ता का आयोजन किया गया। इस वार्ता में सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग में चल रहे कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने भी इस वार्ता को सुना। यह वार्ता काफी उपयोगी एवं लाभप्रद रही।

एनआईटीटीटीआर द्वारा संचालित एम.ई. / एम.टैक/एम.बी.ए. पाठ्यक्रम हुए लोकप्रिय

संस्थान में राजीव गॉधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल से संबद्ध एम.ई./एम.टैक पाठ्यक्रम वर्ष 2011 में प्रारंभ हुआ। इस वर्ष प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन फॉर्म आमंत्रित किये गये थे जिसमें पिछले वर्षो की तुलना में वर्ष 2013–14 में काफी अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। पाँच विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.ई./एम.टैक/एम.बी.ए.) में प्रवेश हेतु अप्रैल माह में प्रवेश से संबंधित विज्ञापन दिया गया था। प्रवेश प्रक्रिया जून से अगस्त माह के दौरान पूर्ण की गयी। इस वर्ष संस्थान में प्रवेश हेतु विगत वर्ष की तुलना में काफी सकारात्मक दृष्टिकोण देखा गया।

AICTE, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या तथा प्रवेशित छात्रों की संख्या निम्न प्रकार है–

सं. क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	स्वीकृत सीटों की संख्या	प्रवेशित छात्रों की संख्या
1.	एम.टैक इन कम्प्यूटर टैक्नालॉजी एण्ड एप्लीकेशन	36	36
2.	एम.ई. इन स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग	18	18
3.	एम.ई. इन एण्डवांस प्रोडक्शन सिस्टमस	18	18
4.	एम.ई. इन पॉवर सिस्टम	18	18
5.	एम. टैक इन कन्सट्रक्शन टैक्नालॉजी एण्ड मैनेजमेंट	36	26

इस वर्ष एम.ई./एम.टैक में कुल उपलब्ध सीट 126 पर 116 छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया व पिछले वर्षों की तुलना में काफी अच्छा उत्साह देखने को मिला जिसमें 43 छात्र गैट स्कॉलरशिप की पात्रता रखते हैं। एस.सी./एस.टी और ओ.बी.सी के छात्रों को एम.पी. स्कॉलरशिप भी उपलब्ध हैं। निदेशक महोदय तथा संस्थान के डीन और समस्त विभागाध्यक्षों ने प्रवेश समिति के सभी सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा सफल प्रवेश प्रक्रिया हेतु धन्यवाद प्रेषित किया। समस्त पाठ्यक्रमों की कक्षाएं विधिवत रूप से प्रारंभ हो गई हैं।

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

ऊर्जा दक्ष मोटर्स एवं ट्रांसफार्मर निर्माण पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 08 से 12 जुलाई 2013 तक "ऊर्जा दक्ष मोटर्स एवं ट्रांसफार्मर निर्माण" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को विद्युत मोटर एवं ट्रांसफार्मर निर्माण पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ सी.एस राजेश्वरी थीं। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. ए.एस. वाल्के एवं डॉ. एन.पी. पाटीदार ने योगदान दिया।

मेटलेब सॉफ्टवेयर पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 22 जुलाई से 02 अगस्त 2013 तक "मेटलेब साफ्टवेयर" विषय पर 2 सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को इस साफ्टवेयर से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालय के 12 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सूसन एस मैथ्यू थीं। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अंजली पोटनीस, डॉ. के. के. पाठक, डॉ. दीपक सिंह और डॉ. एन. पी. पाटीदार ने योगदान दिया ।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग की गतिविधियाँ

वीडियो व्याख्यानों का निर्माण

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा वीडियो व्याख्यान माला का निर्माण अगस्त 2013 के प्रथम सप्ताह से शुरू कर दिया गया है। अब तक 15 से अधिक वीडियो व्याख्यानों का अंकन और पांच वीडियो व्याख्यानों का पूर्णरूपेण निर्माण हो चुका है। इन वीडियो कार्यक्रमों का उपयोग विद्यार्थियों द्वारा अवलोकन हेतु एवं साक्षात् पोर्टल और डी.टी.एच. द्वारा प्रसारण हेतु किया जायेगा। इस शृंखला में लगभग दो सौ कार्यक्रमों का निर्माण किया जाना है।

स्टूडियो, कन्ट्रोल रूम का नवीनीकरण

संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा स्टूडियो, वीडियो और ऑडियो कन्ट्रोल रूम को वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप नया रूप दिया जा रहा है। इससे जहां एक तरफ अधिक संख्या में कार्यक्रम निर्मित किये जा सकेंगें वहीं दूसरी तरफ निर्मित कार्यक्रमों की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

बोर्ड ऑफ अप्रेन्टिसशिप ट्रेनिंग का वीडियो निर्माण

संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा बोर्ड ऑफ अप्रेन्टिसशिप ट्रेनिंग के विषय में एक वीडियो कार्यक्रम एवं एक स्पाट का निर्माण किया है। इन दोनों कार्यक्रमों का अनुवाद अन्य चार भाषाओं जिसमें अंग्रेजी, मराठी, गुजराती और कोंकण में किये जाने की प्रक्रिया चल रही है।

गतिविधियां चित्रमय झांकी

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

प्रोग्रामिंग इन एचटीएमएल एण्ड एक्सएमएल

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा 29 जुलाई से 02 अगस्त 2013 तक "प्रोग्रामिंग इन एचटीएमएल एण्ड एक्सएमएल" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग महाविद्यालय एवं भारतीय सेना के अधिकारियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एचटीएमएल एवं एक्सएमएल के बारे में विस्तृत जानकारी देना था। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शैलेन्द्र सिंह थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रवि कपूर ने सहयोग प्रदान किया।

एडवांसेस इन कम्प्यूटर साईंस एण्ड आईटी इंजीनियरिंग

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 08 से 19 जुलाई 2013 तक "एडवांसेस इन कम्प्यूटर साईंस एण्ड आईटी इंजीनियरिंग" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग महाविद्यालय के शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को कम्प्यूटर एवं आईटी क्षेत्र में नई तकनीकी के विकास से अवगत कराना था। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. डी.एस. करौलिया, डॉ. रवि कपूर एवं डॉ. के. जेम्स मथाई ने सहयोग प्रदान किया।

एनबीए, सीबीसीएस एण्ड एपीआई पर प्रशिक्षण

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 01 से 05 जुलाई 2013 तक एनबीए, सीबीसीएस एण्ड एपीआई" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालय के शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों को एनबीए एक्रीडिटेशन की प्रक्रिया एवं फ्लेक्जीबल करिकुलम बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 47 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. डी.एस. करौलिया थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. शशिकांत गुप्ता ने सहयोग प्रदान किया।

इंडक्शन फेस-2 कार्यक्रम

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 24 जून 2013 से 05 अगस्त 2013 तक इन्डक्शन फेज–2 आयोजित किया गया। इसमें 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें ए.वी. पारीख तकनीकी संस्थान, राजकोट एवं सर भावसिंह जी पॉलिटेक्निक संस्थान, भावनगर दो रिमोट सेंटर थे। विभिन्न असाइनमेंट जो मूडल में अपलोड किये गये थे उन पर भी फीडबैक दिया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजू रौले थीं। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. वी.एच. राधाकृष्णन, प्रो. एस.के. सक्सेना, प्रो. एस.एस. केदार, प्रो. सूसन मैथ्यू एवं प्रो. चंचल मेहरा ने योगदान दिया।

यूनिकोड के प्रयोग पर कार्यशाला

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा 30 से 31 जुलाई 2013 तक "यूनिकोड के प्रयोग" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने किया। इस कार्यशाला में राजभाषा में कार्य तथा फॉन्ट की समस्या, यूनिकोड फॉन्ट के उपयोग से टाईपिंग, फॉन्ट परिवर्तन, इन्सक्रिप्ट की–बोर्ड का प्रयोग, इन्टरनेट पर राजभाषा के संसाधन, हिन्दी शब्दकोश, श्रुति लेखन, मशीनी अनुवाद आदि का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान व केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों के 32 अधिकारी/कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल थे।

बुक कीपिंग एण्ड अकांउटिंग यूसिंग टैली सॉफ्टवेयर

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा 21 से 26 जुलाई 2013 तक "बुक कीपिंग एण्ड अकांउटिंग यूसिंग टैली सॉफ्टवेयर" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लेखा से सबंधित सॉफ्टवेयर टैली–9 ई.आर.पी. सॉफ्टवेयर के द्वारा अकाउंटिंग के रखरखाव एवं प्रयोजन आदि विषयों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई व कार्यक्षेत्र में इसकी उपयोगिता पर भी चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान व केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. एम.ए. रिज़वी थे एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में श्रीमती सीमा फाटक ने सहयोग प्रदान किया।

उपकरण पुनरीक्षण पर कार्यशाला का आयोजन

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता विकास विभाग द्वारा दिनांक 01 से 02 जुलाई 2013 तक "उपकरणों का पुनरीक्षण" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र के विभिन्न पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग संस्थानों के लिये आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में संस्थान के सभी विभागों के सहयोग से 35 लैब के उपकरणों का पुनरीक्षण किया गया। इस कार्यशाला में 33 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला की समन्वयक प्रो. चंचल मेहरा थीं।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का होगा आयोजन

एनआईटीटीटीआर भोपाल में 16 एवं 17 सितम्बर 2013 को मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा "डेवलपमेन्ट इन रोबोटिक्स एप्लाईड मैकाट्रॉनिक्स, मेन्यूफेक्चरिंग, एण्ड ऑटोमेशन – 2013", (Developments in Robotics, Applied Mechatronics, Manufacturing & Automation - 2013) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी में देश, विदेश के विशेषज्ञ मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे। इस संगोष्ठी में आई.आई.एस.सी. बैंग्लोर, आई.आई.टी. सी.एम.ई.आर.आई. ट्रिपल आई.टी. डी.एम. जैसी शैक्षणिक व अनुसंधान संस्थाओं के विषय विशेषज्ञ व्याख्यान देंगें। उल्लेखनीय है कि इस संगोष्ठी में देश के प्रसिद्ध उद्योगों के प्रतिनिधि अपने व्याख्यान के साथ–साथ अपने उत्पादों का प्रदर्शन भी करेंगे। इस संगोष्ठी के दौरान मैकेनिकल इंजीनियरिंग के जिन विभिन्न क्षेत्रों में विचार विमर्श होगा उनको देश के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में शामिल करने की प्रक्रिया एवं कठिन विषयों के शिक्षण हेतु नवीन विधियों के अनिवार्य उपयोग पर भी चर्चा होगी। इस संगोष्ठी के संयोजक प्रो. शरद प्रधान है।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

प्रयुक्त अभियांत्रिकी पर कार्यक्रम

महात्मा गाँधी मिशन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलाजी (एमजीएमसीईटी), नवी मुम्बई में 01 से 05 जुलाई 2013 तक ''इफेक्टिव टीचिंग–लर्निंग फॉर इंजीनियरिंग मशीन्स्'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में इंजीनियरिंग मैकेनिक्स विषय के सत्रों के साथ विषय के प्रभावी प्रशिक्षण हेतु उपयोग की जाने वाली इन्सट्रक्शनल स्ट्रेटेजी पर भी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के दौरान विशेष रूप से निर्मित वर्क बुक सभी प्रतिभागियों को वितरित की गई जिसका उन्होंने अभ्यास किया। कार्यशाला के अधिकांश सत्रों में महात्मा गाँधी मिशन सोसायटी के महानिदेशक एवं कार्यशाला के समन्वयक डॉ. के.जी. नारायण खेड़कर उपस्थित रहे। उन्होंने सत्रों में प्रभावी ढंग से दिये जा रहे प्रशिक्षण की सराहना की। इस वर्कशाप में इंजीनियरिंग मैकेनिक्स विषय पढ़ाने वाले देश के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 40 संकाय सदस्यों ने भाग लिया एवं सभी ने कार्यशाला की सराहना की। कार्यशाला के समापन

सत्र में महात्मा गाँधी मिशन सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. एस.एन. कदम ने कार्यशाला के आयोजन के लिए संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल व संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रेषित किया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. के.के. पाठक थे। संकाय सदस्य के रुप में प्रो. शरद प्रधान ने योगदान दिया।

मैनेजिंग इंजीनियरिंग वर्कशाप इफेक्टिवली

01 से 5 जुलाई 2013 तक शासकीय पॉलिटेक्निक धमतरी में ''मैनेजिंग इंजीनियरिंग वर्कशाप इफेक्टिवली'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी संस्थानों के वर्कशाप एवं लेबोरेटरी के अनुरक्षण से संबधित व्याख्यान दिये गये जिसमें मुख्य रूप से यंत्र अनुरक्षण पद्धति, अनुरक्षण के प्रकार एवं संबधित वर्कशाप के रिकार्ड कीपिंग और कौशल विकास जैसे विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ .ए.के.सराठे थे एवं संकाय सदस्य के रुप में डॉ. यू.के. जैन ने योगदान दिया।

केड यूसिंग इन्वेन्टर पर कार्यक्रम

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 08 से 12 जुलाई 2013 तक ''केड यूसिंग इन्वेन्टर'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नवीनतम् इन्वेंटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से एडवान्स 2 डी एवं 3 डी ड्राईंग मेकिंग एवं असेम्बली ऑफ ड्राईंग और प्रजेन्टेशन ऑफ असेम्बली ड्राईंग के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में 5 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. वंदना सोमकुवंर थीं।

सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड सिम्युलेशन

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 29 जुलाई से 02 अगस्त 2013 तक "सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड सिम्युलेशन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान सीएनसी टेक्नोलॉजी, सीएनसी मशीनिंग एवं सीएनसी कन्ट्रोल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षाणार्थियों को प्रोडक्ट जियोमेटरी एवं सीएनसी टर्निंग एवं मिलिंग मशीन से संबधित प्रयोग का अभ्यास कराया गया साथ ही प्रशिक्षार्णाथियों को Fanuc-21 टर्निंग सिम्युलेशन का अभ्यास कराया गया। इस कार्यक्रम में 5 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ .ए.के.सराठे थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. के.के.जैन ने सहयोग प्रदान दिया।

इंडक्शन फेस–1 कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र पुणे में 08 से 19 जुलाई 2013 तक इंडक्शन फेस–1 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नवीन प्रौद्योगिक शिक्षा प्रणाली का प्रशिक्षण प्रदान करना था। प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षण अधिगम, विषय सूची विश्लेषण, शिक्षण प्रणाली, संचार माध्यम, सम्प्रेषण कौशल एवं सशक्त बिंदुओं का निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने शिक्षण अभ्यास एवं उसके प्रतिक्रिया/प्रतिपुष्टि को बहुत सराहा। इस कार्यक्रम में 19 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एस.आर. गनोरकर थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. के.एम. रस्तोगी, डॉ. अजीत दीक्षित एवं डॉ. के. के. जैन ने सहयोग प्रदान किया।

मेनेजीरियल स्किल्स फार टेक्निकल टीचर्स एण्ड ऐडमिनिस्ट्रेटर्स

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 8 जुलाई से 19 जुलाई 2013 तक "मेनेजीरियल स्किल्स फार टेक्निकल टीचर्स एण्ड ऐडमिनिस्ट्रेटर्स" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आशीष देशपांडे थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. के. के. जैन ने योगदान दिया।

स्किल डेव्लपमेंट इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 22 से 26 जुलाई 2013 तक "डेवलप मिनी प्रैक्टिसेस एंड मिनी प्रोजेक्ट वर्क – लीडिंग टू स्किल डेव्लपमेंट इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग एंड ऐलाईड डिसिप्लीन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवीनतम करिकुलम के अनुसार लेब शीट्स एवं मिनी प्रोजेक्ट बनवाये गये। इस कार्यक्रम में 5 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. वंदना सोमकुवंर थीं। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. शरद प्रधान एवं डॉ. सी.के.चुघ ने योगदान दिया।

डेव्लपमेन्ट ऑफ लेब ऐक्सपेरीमेन्ट इन टैक्सटाईल टेक्नालॉजी

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 22 जुलाई से 26 जुलाई 2013 तक "डेव्लपमेन्ट ऑफ लेब ऐक्सपेरीमेन्ट इन टैक्सटाईल टेक्नालॉजी" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवीनतम करिकुलम अनुसार लेब शीट्स एवं मिनी प्रोजेक्ट बनवाये गये। इस कार्यक्रम में 5 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सी.के.चुघ थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एस.के.गुप्ता, प्रो. शरद प्रधान एवं डॉ. वंदना सोमकुंवर ने योगदान दिया।

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

शिक्षक को एक विद्यार्थी की तरह सीखना चाहिए- प्रो. नंदनवार

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 22 जुलाई से 02 अगस्त 2013 तक इंडक्शन फेस–2 कार्यक्रम शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नासिक में आयोजित किया गया। संयुक्त संचालक एवं प्राचार्य प्रो. डी. आर. नंदनवार ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रशिक्षणार्थियों का आव्हान किया कि वे इस कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ लें। उन्होंने कहा कि शिक्षक को हमेशा एक अच्छे विद्यार्थी की तरह सीखना चाहिए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्यक्रम बनाने की प्रक्रिया एवं उसका विकास, प्रगत शिक्षण तकनीक, छात्रों को भविष्य कौशल एवं मूल्यों के विकास आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह में पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका, केस विधि, प्रोजेक्ट विधि रोल प्ले, समस्या समाधान प्रक्रिया के द्वारा सीखना आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने इन विधियों के कक्षा में प्रयोग हेतु आवश्यक योजना भी बनाई। द्वितीय सप्ताह में प्रयोगशाला में विभिन्न प्रयोगों की प्रक्रिया को समझना और उनका मूल्यांकन करना, प्रयोगशाला में अभिनव प्रयोगों की योजना बनाना और उनको निष्पादित करना तथा छात्रों की उद्योगों में प्रशिक्षण की व्यवस्था करने की योजना तैयार करना, व्यावसायिक नैतिकता और कार्य संस्कृति एवं उद्यमशीलता विकास आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. किरण सक्सेना थीं। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एस.के. सक्सेना, डॉ. आर.पी. खम्बायत एवं डॉ. के. जेम्स मथाई ने सहयोग प्रदान किया। स्थानीय समन्वयक के रूप में डॉ. एस.एम. दुमने ने सहयोग प्रदान किया।

नवनियुक्त शिक्षकों हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 19 से 30 अगस्त तक नव नियुक्त शिक्षकों हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक के शिक्षकों ने भाग लिया। प्रथम चरण में एनआईटीटीटीआर, भोपाल में औद्योगिक ट्रेनिंग का महत्व, सावधानियां, प्रक्रिया एवं तकनीकी शिक्षा में उसके सहयोग के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय चरण में उन्होंने बी.एच.ई.एल., भोपाल में डेली डायरी निर्माण, प्रोजेक्ट चयन, औद्योगिक प्रोजेक्ट निर्माण, प्रक्रिया सुधार, पर्यवेक्षण एवं मानीटरिंग को समझाया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्किल गैप को समझाया गया। कार्यक्रम के तृतीय चरण में उन्होंने एनआईटीटीटीआर, भोपाल में प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रिपरेशन एवं प्रेजेन्टेशन की विधि को समझाकर प्रोजेक्ट रिपोर्ट का निर्माण किया तथा प्रेजेन्टेशन दिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. निशीथ दुबे थे। प्रो. आर.जी. चौकसे, डॉ. अनिल कुमार एवं प्रो. चंचल मेहरा ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

भावनात्मक बुद्धि पर कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 01 से 05 जुलाई 2013 तक "भावनात्मक बुद्धि" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भावनात्मक बुद्धि के सिद्धांतों को समझना और भावनात्मक बुद्धि के विभिन्न आयामों का विश्लेषण एवं व्याख्या करना तथा छात्रों में भावनात्मक बुद्धि विकसित करने की विभिन्न विधियों से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को अंर्तवैयक्तिक संबन्ध, सामाजिक कौशल एवं भावनात्मक बुद्धि को विकसित करने एवं आत्म जागरूकता जैसी महत्वपूर्ण अवधारणाओं से भी अवगत करवाया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. किरण सक्सेना थीं। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एस.के. सक्सेना ने सहयोग प्रदान किया।

इंडक्शन फेस–1 कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 08 से 20 जुलाई 2013 तक इंडक्शन फेस–1 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रभावी शिक्षण के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की महत्ता, प्रभावी समय प्रबंधन, शिक्षण अधिगम, विषय सूची विश्लेषण, शिक्षण संचार माध्यम, सम्प्रेषण कौशल एवं सशक्त बिन्दुओं का निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.पी. खम्बायत थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. ए.के. जैन, डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. अंजना तिवारी ने सहयोग प्रदान किया।

प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

मानव संसाधन प्रबंध एवं टीम निर्माण पर कार्यक्रम

प्रबंधन विभाग द्वारा 05 से 09 अगस्त 2013 तक "मानव संसाधन प्रबंध एवं टीम निर्माण" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्था निर्माण से संबंधित था। संस्था निर्माण में लीडर का भविष्य दृष्टा होना अत्यन्त आवश्यक है। अतः विजनरी लीडरशिप की योग्यता पर विस्तृत रूप से समझाया गया। लीडरशिप के महत्वपूर्ण मॉडल जैसे विजनरी लीडरशिप, ट्रान्सफारमेंशनल लीडरशिप, सिधुएशनल लीडरशिप, डेमोक्रेटिक एवं आटोक्रेटिक लीडरशिप पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। एक लीडर में मौजूद शक्ति के स्त्रोत जैसे अथारिटी, संसाधन प्रबंधन, जानकारी नियंत्रण, विशेषज्ञता आदि पर प्रस्तुतिकरण किया गया। मानव संसाधन विकास में प्रेरणा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है अतः प्रेरणा के विभिन्न सिद्धांतो एवं कारकों पर परिचर्चा की गई। इस कार्यक्रम में अनौपचारिक सहभागिता के तहत क्वालिटी सर्कल पर फिल्म दिखाई गई एवं टीम निर्माण के अभ्यास के माध्यम से योजना बद्ध रूप से टीम निर्माण के महत्व को बतलाया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन संस्था निर्माण की अवधारणाओं एवं मॉडल पर चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियरिंग/पॉलिटेक्निक के संकाय सदस्य एवं भारतीय सेना के 23 अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बी.एल. गुप्ता थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पराग दुबे, प्रो. आशीष देशपाण्डे एवं प्रो. तनुज नंदन ने योगदान दिया।

प्रबंध कौशल पर कार्यक्रम

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में प्रबंधन विभाग ने गुजरात राज्य की तकनीकी संस्थाओं की मांग पर 08 से 19 जुलाई 2013 तक "प्रबंध कौशल" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता की बढ़ती हुई मांग को देखते हुये इस कार्यक्रम की संरचना की गई थी। प्रशिक्षणार्थियों को दूरगामी योजना के प्रकार, योजना बनाने की पद्धति, योजना बनाने की विधि, प्रभावी नेतृत्व, समस्या समाधान, समस्या के हल खोजने की तकनीक, प्रभावी निर्णय लेना, निर्णय के प्रकार, प्रेरणा के सिद्धांत, संस्थागत संप्रेषण, टीम निर्माण, गुणवत्ता वृत्त, संस्था निर्माण एवं एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही प्रस्तुतिकरण परिचर्चा, सृजनशीलता, रोल प्ले, केस विधि, स्वयं मूल्यांकन तकनीक, अभ्यास, स्वयं सीखना जैसी विधियों का विस्तृत विवेचन किया गया। कार्यक्रम के समापन में आयुक्त, तकनीकी शिक्षा गुजरात डॉ. जंयती एस. रवि, गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अक्षय अग्रवाल एवं एल.डी. इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक प्रो. पटेल ने प्रतिभागियों को तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आशीष देशपाण्डे थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. के.के. जैन, प्रो. बी.एल. गुप्ता एवं प्रो. पराग दुबे ने योगदान दिया।

बदलाव एवं नवाचार पर कार्यक्रम

प्रबंधन विभाग द्वारा 08 से 12 जुलाई 2013 तक "बदलाव एवं नवाचार" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बदलते परिवेश एवं उद्योगों की मांग के अनुसार शिक्षा में बदलाव लाने की रणनीति पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विजनरी एवं ट्रान्सफार्मेशनल लीडर, शक्ति के स्त्रोत, बदलाव प्रबंधन की आवश्यकता, एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन, संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन, क्वालिटी सर्कल, संस्था निर्माण, परफारमेन्स एप्रेजल एवं बदलाव प्रबंधन की तकनीकी पर तकनीकी शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में प्रेजेन्टेशन, केस विधि, वीडियो लेक्चर एवं स्वयं मूल्यांकन सूत्रों का उपयोग किया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक कालेज के वरिष्ठ प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बी.एल. गुप्ता थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पराग दुबे, ने योगदान दिया।

तकनीकी शिक्षकों को शिक्षा प्रोद्यौगिकी एवं गुणवत्ता प्रबंधन का ज्ञान आवश्यक – प्रो. एस.के. गुप्ता

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 19 सितंबर से इन्डक्शन फेस–1 एवं भारतीय गुणवत्ता परिषद के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर विस्तार केन्द्र समन्वयक प्रो. शशिकांत गुप्ता ने एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत विवरण दिया। प्रो. गुप्ता ने कहा कि वर्तमान संदर्भ में तकनीकी शिक्षकों को गुणवत्ता प्रबंधन एवं शिक्षा प्रोद्यौगिकी का ज्ञान आवश्यक है। इस अवसर पर प्रो. पी.के. पुरोहित, डॉ. दीपक सिंह, प्रो. के.जेम्स मथाई, सुश्री दीप्ति दुब्बल उपस्थित थे। इन्डक्शन कार्यक्रम के द्वितीय सप्ताह में प्रो. आर.के. दीक्षित एवं डॉ. इज़हार अहमद ने सहयोग प्रदान किया।

कौशल निर्माण हेतु प्रयोगशाला

विस्तार केन्द्र गोवा में 05 से 09 अगस्त 2013 तक "कौशल निर्माण हेतु प्रयोगशाला" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक शिक्षको ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में 12 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रतिभागियों को शासकीय पॉलिटेक्निक पणजी के प्राचार्य श्री लुईस फर्नांडिस ने प्रमाण पत्र वितरित किये। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. ऐलन संजय रोचा थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. निशिथ दुबे ने सहयोग प्रदान किया।

क्लाऊड कम्प्यूटिंग पर प्रशिक्षण

विस्तार केन्द्र गोवा में 08 से 12 जुलाई 2013 तक "क्लाऊड कम्प्यूटिंग" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक के शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोवा चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री के पूर्व अध्यक्ष श्री मुंगरीस पाईराईकर थे। कार्यक्रम के अंतिम दिन श्री वास्को जार्ज ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. ऐलन संजय रोचा थे।

व्यक्तित्व विकास के लिये प्रभावी संचार एवं समय प्रबंधन

विस्तार केन्द्र गोवा में 22 से 26 जुलाई 2013 तक "व्यक्तित्व विकास के लिये प्रभावी संचार एवं समय प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास, प्रभावी संचार के तरीके, समय की उपयोगिता एवं प्रबंधन पर विशेष व्याख्यान आयोजित किये गये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक एवं भारतीय सेना के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रतिभागियों को श्री विवेक कामत एवं ब्रिटिश बिजनिस ग्रुप गोवा की सुश्री वेरिल नेसे ने प्रमाण पत्र वितरित किये। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. ऐलन संजय रोचा थे।

तनाव प्रबंधन पर कार्यक्रम

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 29 जुलाई से 02 अगस्त 2013 तक "तनाव प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में सेल्फ मैनेजमेन्ट, इमोशनल मैनेजमेन्ट, जीवन के व्यवहार, निबंधन तथा स्वास्थ्य प्रबंधन के व्यावहारिक उपाय विषयों पर विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम में श्वांस प्राणायाम, रचनात्मकता व ध्यान आधारित विभिन्न गतिविधि कराई गई। प्रशिक्षणार्थियों को यह कार्यशाला बहुत रोचक व उपयोगी लगी। इस कार्यक्रम में प्रो. ललित चंदे एवं डॉ. हर्षल ने विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिये। डॉ. के.एम. रस्तोगी व डॉ. शशिकांत गुप्ता ने इस कार्यशाला को अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी बताया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. पीयूष वर्मा थे।

भविष्य दृष्टि एवं नेतृत्व पर कार्यक्रम

संस्थान में 25 से 27 जुलाई 2013 तक "भविष्य दृष्टि एवं नेतृत्व" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विजनिंग प्रक्रिया, सृजनशीलता, नेतृत्व शैलियाँ, बेस्ट प्रेक्टिसेस, नगरीय चुनौतियाँ, संसाधनों का आँकलन, वर्तमान मानक एवं मूल्य तथा विजन को प्राप्त करने हेतु मूल्यों में बदलाव विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी व रूचिकर बनाने हेतु प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, ब्रेन स्ट्रॉमिंग, केस विधि, टीम में कार्य करना एवं स्वयं के मूल्यों का आँकलन, स्वाट विश्लेषण एवं अनुभवों का आदान प्रदान करने जैसी प्रशिक्षण विधियों का उपयोग किया गया। इस कार्यक्रम की प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशंसा की व ऐसे कार्यक्रम और आयोजित करने की अनुशंसा की। कार्यक्रम में म.प्र. नगर निगम के शहरी स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग स्टॉफ के कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बी.एल. गुप्ता थे एवं प्रो. एच. एम. मिश्रा ने विशेषज्ञ के रूप में सहयोग प्रदान किया।

बजट प्रबंधन पर कार्यशाला

एकीकृत प्रशिक्षण एवं नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा 08 से 10 अगस्त 2013 तक "केश अकाउट, बजट मैनेजमेंट एण्ड इन्कम टैक्स मैटर" विषय पर आयोजित तकनीकी कार्यशाला में संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने भाग लिया। इस कार्यशाला में एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल से भण्डार एवं क्रय अधिकारी, श्री डी.के. तिवारी, श्री सी.के. चव्हाण, सुश्री विजय लक्ष्मी दुबे, सुश्री कविता मेंघानी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. डी.के. झा, एकीकृत प्रशिक्षण एवं नीति अनुसंधान थे।

तकनीकी शिक्षा में हिन्दी का महत्त्व विषय पर कार्यशाला

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वाधान में 22 और 23 अगस्त, 2013 को तकनीकी शिक्षा में हिन्दी का महत्त्व विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण–सह–कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रभारी निदेशक डॉ. आर.के. दीक्षित ने किया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव श्री एस.एस. अस्थाना और मीडिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभाकर सिंह भी इस कार्याशाला में उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा, परिभाषा और प्रकार, तकनीकी शिक्षा में हिन्दी का प्रयोग, शासकीय कामकाज में हिन्दी का प्रयोग, हिन्दी में तकनीकी शिक्षा समस्याएं एवं चुनौतियाँ, तकनीकी विषयों पर हिन्दी में लेखन, हिन्दी में तकनीकी शब्दकोश तैयार करना आदि विषयों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी तथा कार्यक्षेत्र में इसकी उपयोगिता पर भी बल दिया गया। प्रो. सेवाराम त्रिपाठी, संयुक्त संचालक, हिन्दी ग्रंथ अकादमी और श्री हरीश सिंह चौहान, अनुसंधान अधिकारी, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, भोपाल को इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत करने के

लिए आमंत्रित किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान व केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों के 20 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. के. के. जैन थे एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. बी.एल. गुप्ता ने सहयोग प्रदान किया।

तेजेन्दर गगन का रचना पाठ

संस्थान में 28 जुलाई 2013 को रायपुर एवं नागपुर दूरदर्शन केन्द्र के पूर्व निदेशक और वरिष्ठ साहित्यकार तेजेन्दर गगन का रचना पाठ आयोजित किया गया। उन्होंने "सरकार हॉस्टल" नामक अपने उपन्यास का पाठ किया। उन्होंने अपने उपन्यास में बताया कि "बस्तर के आदिवासियों के जीवन में उतार–चढ़ाव और चुनौतियां हैं। वहां का आदिवासी मार्क्सवाद और पूंजीवाद की लपटों में झुलसता है और उस आग से निकलने के लिए छटपटाता है। इन्ही संवेदनाओं और समस्याओं को इस उपन्यास में समेटा है। उपन्यास के किरदार पीताम्बर प्रसाद नेताम के इर्द–गिर्द घूमते हैं, जो पहले मार्क्सवाद फिर पूंजीवाद से प्रभावित था।" उन्होंने अपने उपन्यास के माध्यम से बस्तर के आदिवासियों के जीवन मे फैली विसंगतियों पर प्रकाश डाला। इनका उपन्यास देश की समस्याओं व उद्देश्यों के साथ–साथ हिम्मत जगाने वाला होता है। इस कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने श्री गगन का पुष्प–गुच्छ से स्वागत किया व उनका विस्तृत परिचय दिया। इस अवसर पर संस्थान की राजभाषा पत्रिका "सम्पर्क सरिता" का विमोचन श्री प्रभाकर श्रोत्रिय ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दूरदर्शन भोपाल के पूर्व निदेशक श्री शशांक ने की। उपस्थित श्रोताओं ने इस उपन्यास के विभिन्न अंशों की समीक्षा की। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार श्री संतोष चौबे, श्री पलाश सुरजन, पंकज राग के साथ शहर के साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

स्वत्रंतता दिवस पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. विजय कुमार अग्रवाल ने संस्थान में झंडावंदन कर संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर फिल्म शो एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये।

''सांप हमारे दोस्त हैं दुश्मन नही''

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 22 जुलाई 2013 को प्रसिद्ध सर्प विशेषज्ञ मो. सलीम का ''सांप हमारे दोस्त हैं दुश्मन नहीं'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस जन–जागृति अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने बताया कि सांप की कई प्रजातियां होती हैं। हर सांप जहरीला नहीं होता। संस्थान इस कार्यक्रम की वीडियो फिल्म बना रहा हैं जिसे राज्य सरकार के सहयोग से विभिन्न जगहों पर दिखाया जायेगा। सर्प विशेषज्ञ मो. सलीम ने कहा कि वे विगत 35 वर्षों से इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, वे विभिन्न प्रजातियों के लगभग दो लाख दस हजार साँप पकड़ चुके हैं और उन्हें पचमड़ी के जंगल में छोड़ा है। म.प्र. में साँपों की लगभग 216 प्रजातियां पाई जाती हैं। जिनमें से सिर्फ 3 साँप जहरीले हैं जिनमें करेत साँप भारत का सबसे जहरीला साँप होता है उसके बाद ब्लैक कोबरा (नाग), रसल

बाईपर हैं। यह जब रेंगता है तो सीटी जैसी आवाज आती है इसके काटने से किडनी खराब हो जाती है। उन्होंने आगे बताया कि ब्लैक कोबरा के जहर से इसकी दवाई (एन्टीवैनम) बनाई जाती है।

प्रो. के.के. जैन अलटेयर टेक्नालॉजी सेमीनार में

प्रो. के.के. जैन ने ''अलटेयर 2013–इंडिया'' द्वारा 18–19 जुलाई 2013 को पूना में आयोजित 'अल्टेयर टेक्नालॉजी' कान्फ्रेंस में भाग लिया। कान्फ्रेंस में प्रो. जैन द्वारा ''FE Simulation of a Pelvic, Sacrum and Ferum Bones Assembly with a Cemented Hip Prosthesis'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. दीपक सिंह अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग के सह–प्राध्यापक डॉ. दीपक सिंह ने बैंकाक, थाईलैंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स ACFPTO 2013, July 1820-2013 में ''कपल्ड कोइंसीडेंस एण्ड कॉमन फिक्सड पॉइंट थ्योरम्स् इन मैट्रिक स्पेसेस'' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। प्रो. सिंह ने इस विषय पर भविष्य में और अधिक शोध संभावनाओं पर विभिन्न देशों के गणितज्ञों से चर्चा की तथा संस्थान द्वारा प्रकाशित जर्नल की प्रतियाँ भेंट कीं एवं संस्थान की शैक्षिक एवं रिसर्च गतिविधियों के बारे में चर्चा की।

बधाई सम्मान

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग अनुप्रयोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र सिंह को इंडिया इंटरनेशनल फ्रेन्डशिप सोसायटी नई दिल्ली द्वारा 24 अगस्त 2013 को आयोजित सेमीनार में अकादमिक उत्कृष्टता के लिये ''भारत ज्योति'' सम्मान से सम्मानित किया गया और उन्हें उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

संस्थान के सह–प्राध्यापक प्रो. व्ही.डी. पाटिल को सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पुणे विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई। प्रो. पाटिल ने अपना शोध कार्य पुणे विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के. जैन एवं डॉ. आर.एन., शंखुआ के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

आगामी महीनों में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम/PROGRAMMES FOR POLYTECHNICS/ENGINEERING COLLEGES

No.	TITLE	DURATION	VENUE
1	Efficiency Improvement through Accreditation	18-22 Nov. 13	Bhopal
2	E-Content Development Workshop for Civil / Architecture/ Interior Design Engineering	18-29 Nov. 13	Bhopal
3	Nanotechnology and its Applications Quality	25-29 Nov. 13	Bhopal
4	Management by TQM Six Sigma, Kaizen, 5S and 4P	25 Nov.- 06 Dec., 13	Bhopal
5	Maintaining and Using Laboratories and Workshop Effectively (For Faculty and Supporting Staff)	18-22 Nov. 13	Bhopal
6	Special Machines and Control	25- 29 Nov. 13	Bhopal
7	Web Site Development(For Faculty and Supporting Staff)	25-29 Nov. 13	Bhopal
8	Induction Phase-I	18-29 Nov. 13	Bhopal
8	Induction Phase-I	18-29 Nov. 13	Korba
9	Academic Audit for Effective Curriculum Implementation and Evaluation	18-22 Nov. 13	Pune
10	Special Methods of Teaching Pharmaceutical Formulation	18-22 Nov. 13	Pune
11	Personality Development Though Positive Thinking	25-29 Nov. 13	Aurangabad
12	Innovative Methods of Science Teaching and Assessment	25-29 Nov. 13	Pune
13	Intellectual Property Right (Copy Right, Design Right, Brand and Patents)	11-15 Nov. 13	Ahmedabad
14	Developing Entrepreneurship Skills in Students	11-15 Nov. 13	Ahmedabad
15	Master CAM for Beginners	18-22 Nov. 13	Ahmedabad
16	Advances in Textile Technology (For Textile Manufacturing, Textile Design and Textile Processing Branches Only)	18-29 Nov. 13	Ahmedabad
17	Work Ethics, Central Civil Services (CCS) rules and RTI	11-15 Nov. 13	Goa
18	Empowering Women at Work Place	25-29 Nov. 13	Goa
19	LINUX Server Administration	18-22 Nov. 13	Bilaspur
20	Managing Smart Classroom	02-06 Dec. 13	Bhopal
21	Store Purchase System and Inventory Control for Technical Institutions	02-06 Dec. 13	Bhopal
22	Total Quality Management (TQM)	09-13 Dec. 13	Bhopal
23	Role of Ethics in Electronic Media	09-13 Dec. 13	Bhopal
24	Environmental Pollution- Analysis and Treatment	09-20 Dec. 13	Bhopal
25	Developing Communication Skills and Managing Language Laboratory	09-20 Dec.13	Bhopal
26	E-Content Development Workshop for Electrical / Electronic Engineering	09-20 Dec. 13	Bhopal
27	Managing Language Laboratory	16-20 Dec. 13	Bhopal
28	Intellectual Property Rights, Patents Process- Problems and Solutions	16-20 Dec. 13	Bhopal
29	Managing Laboratories- Enhancing Effectiveness of Lab Instruction	16-20 Dec. 13	Bhopal
30	Pollutants & Solid Waste Management	09-13 Dec. 13	Bhopal
31	Town Planning, Infrastructure and Material Development	09-13 Dec. 13	Bhopal
32	Testing of Building Materials	16-20 Dec. 13	Bhopal
33	Cyber Security	02-06 Dec. 13	Bhopal
34	PC Maintenance and Trouble Shooting	09-13 Dec. 13	Bhopal
35	Principles of Wind Power	02-13 Dec. 13	Bhopal
36	Induction Phase-II	02-13 Dec. 13	Bhopal
37	Hazard Communication in Industries & Control of Disasters	02-06 Dec. 13	Pune
38	TOT for Entrepreneurship Development	02-06 Dec. 13	Pune
39	Computer Networking Using Windows Server	16-20 Dec. 13	Pune
40	Accreditation and Academic Audit	02-06 Dec. 13	Ahmedabad
41	Making Mathematics Interesting and Understandable	09-13 Dec. 13	Ahmedabad
42	Operational Research and Production Management	16-20 Dec. 13	Ahmedabad
43	Renewable Energy Sources with Emphasis on Wind and Solar Energy	16-27 Dec, 13	Ahmedabad
44	Advances in Civil Engineering and Allied Disciplines	30 Dec. 10 Jan. 14	Ahmedabad
45	Motivation at Work Place	09-13 Dec. 13	Goa
46	Purchase and Stores Management	09-13 Dec. 13	Bhopal

मुख्य संरक्षक : प्रो. अमिताभ घोष, संरक्षक : प्रो. विजय अग्रवाल, निदेशक, संपादक : प्रो. पी.के. पुरोहित
सहसंपादक : श्री एस.एस. अस्थाना, छायांकन : श्री ए.एल. विश्वकर्मा

आन्तरिक वितरण हेतु तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित